www.jagran.com
जागरण सिटी
चंडीगढ़
लुधियाना, बुधवार, 1 जुलाई, 2009

डिग्री व रोजगार की जरूरतों का अंतर मिटाना जरूरी

◆ **युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के विषय पर सेमिनार**

जासं, चंडीगढ़ : शिक्षा एवं प्रोफेशनल शिक्षा में डिग्री व कोर्स के बावजूद देश का अधिकांश युवा वर्ग रोजगार क्षेत्र की अनिवार्य आवश्यकताओं पर खरा नहीं उतरता, इसी कारण रोजगार के अवसर होने के बावजूद देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैली हुई है। युवाओं को रोजगार योग्य कैसे बनाया जाए, विषय पर आधारित सेमिनार का उद्घाटन पी.एच.डी. चेम्बर आफ कामर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश बगरोडिया ने मंगलवार को किया। इस अवसर पर उनके साथ एलेमैन्टस एकेडमिया के सी.ई.ओ. निशांत सक्सेना और चंडीगढ़ शाखा के सेंटर डायरेक्टर रविन्द्र कक्कड़ भी उपस्थित थे।

निशांत सक्सेना ने बताया कि एलीमैन्टस एकेडमिया का उद्देश्य युवा लड़के व लड़कियों द्वारा डिग्री-कोर्सों के दौरान ग्रहण किए ज्ञान और सर्विस इंडस्ट्री सेक्टर के लिए अनिवार्य प्रेक्टिकल ज्ञान के बीच पैदा हुई दरार को मिटाना है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम युवाओं को रोजगार क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार उन्हें वास्तविक रूप में तैयार करते हैं। उन्होंने बताया कि देश में सर्विस सेक्टर के लिए प्रति वर्ष 60 लाख नौकरियों की आवश्यकता है, जबकि प्रति वर्ष ग्रेजुएशन करने वालों की संख्या 25 लाख तक ही सीमित है, इनमें से भी 13 प्रतिशत ग्रेजुएट ही संगठनात्मक क्षेत्र में रोजगार हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सर्विस सेक्टर नौकरियों की आपार संभावनाओं से भरा पड़ा है, लेकिन कुशल (सिक्लड) मानवीय संसाधनों की कमी सबसे बड़ी चुनौती है।

इस अवसर पर पी.एच.डी. चेम्बर आफ कामर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश बगरोडिया ने कहा कि डिग्री ग्रहण करने के साथ-साथ अपने क्षेत्र में वास्तविक कुशलता हासिल करना समय की आवश्यकता है। टाटा टेली सर्विस (पंजाब एच.पी. सर्कल) के सी.ई.ओ. टी.पी.एस. वालिया ने कहा कि इंडस्ट्री सहित सभी कार्पोरेट हाउस हमेशा कुशल युवाओं की तलाश में रहते हैं। एलीमैन्टस एकेडमिया के सी.ई.ओ. विनय शर्मा ने बताया कि उन्होंने रिसर्च करके उन कुशलताओं की पहचान की है, जिनकी कार्पोरेट सेक्टर को आवश्यकता है। इस अवसर पर यू.आई.ए.एम.एस पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के निदेशक डा. ए.के. सहजपाल ने बताया कि आज के युवा नौकरी से ज्यादा नौकरी के लिए जरूरी कुशलता पर केन्द्रित हैं। सेमिनार में चंडीगढ़ के विभिन्न कालेजों के प्रिंसिपल, प्रोफेसर और विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे।